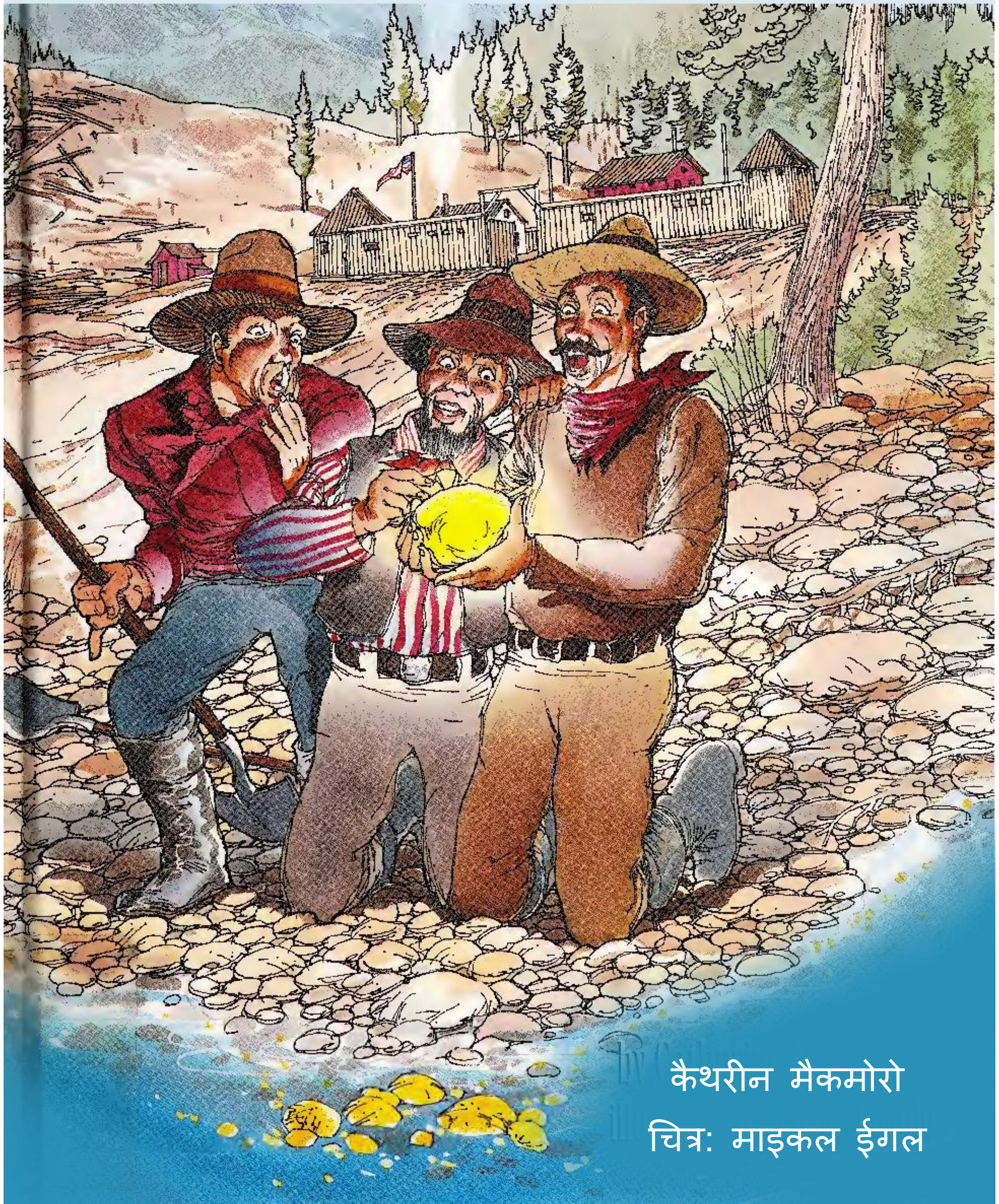
# सोने का बुखार!



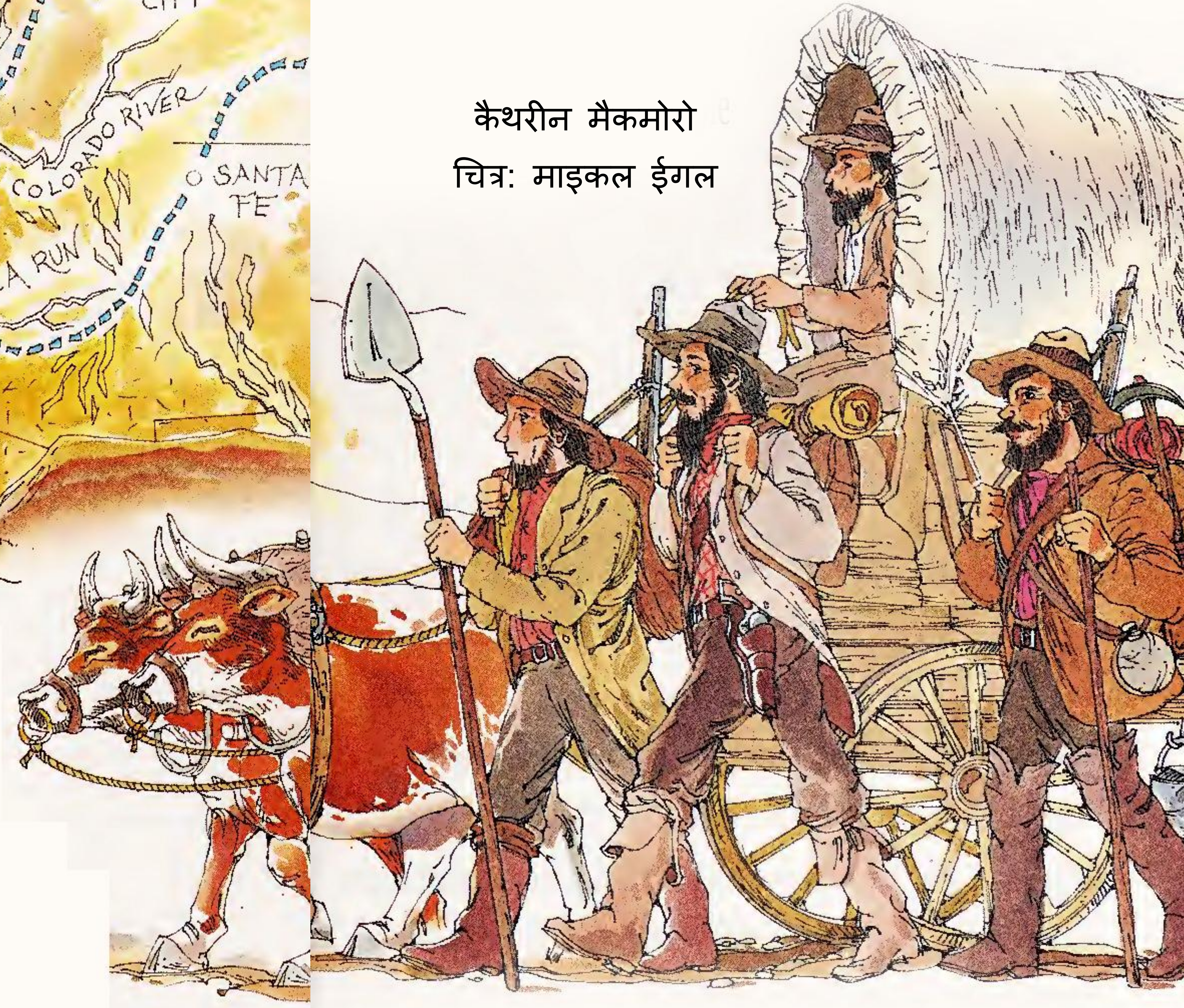
कैथरीन मैकमोरो

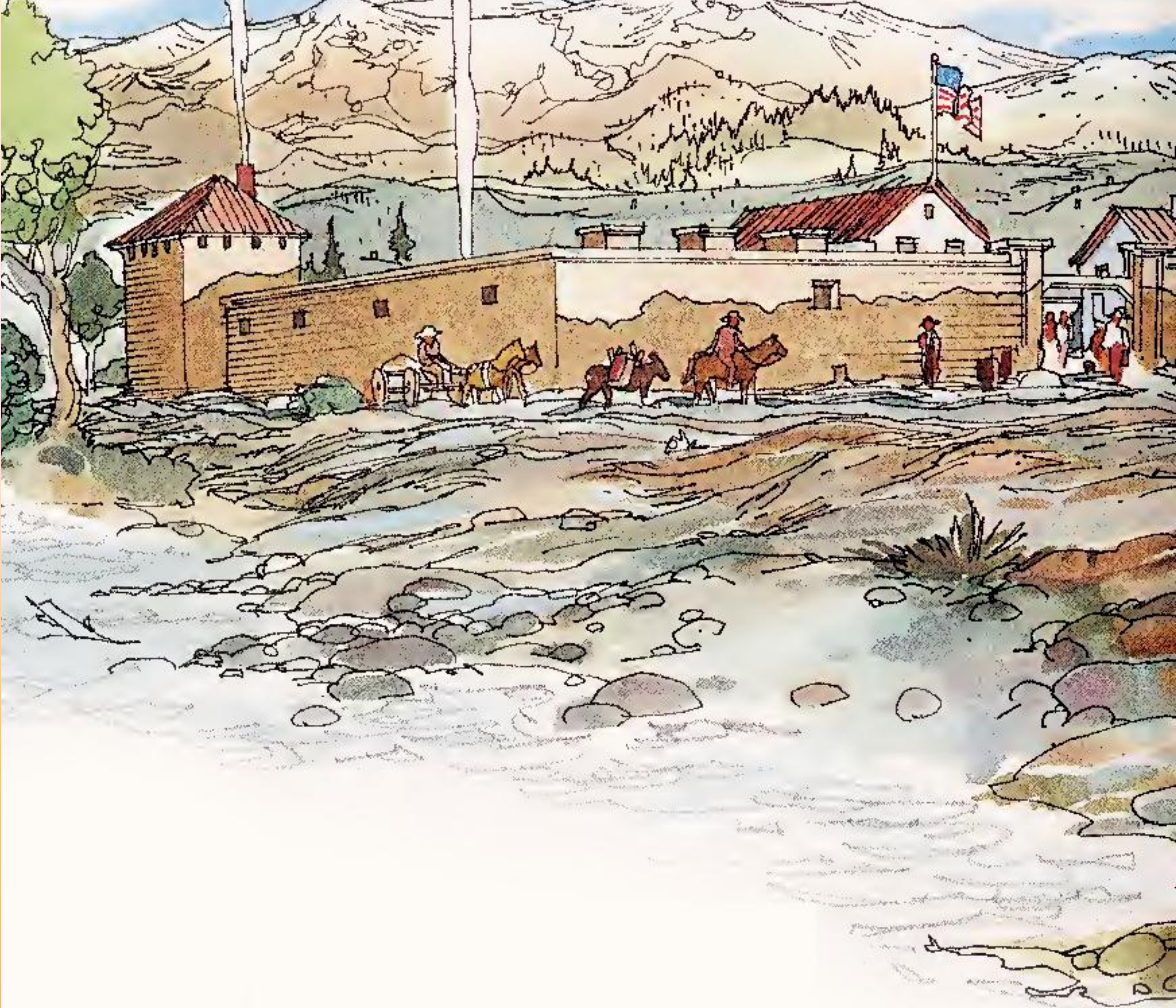
चित्र: माइकल ईगल

# सोने का बुखार!

कैथरीन मैकमोरो
चित्र: माइकल ईगल



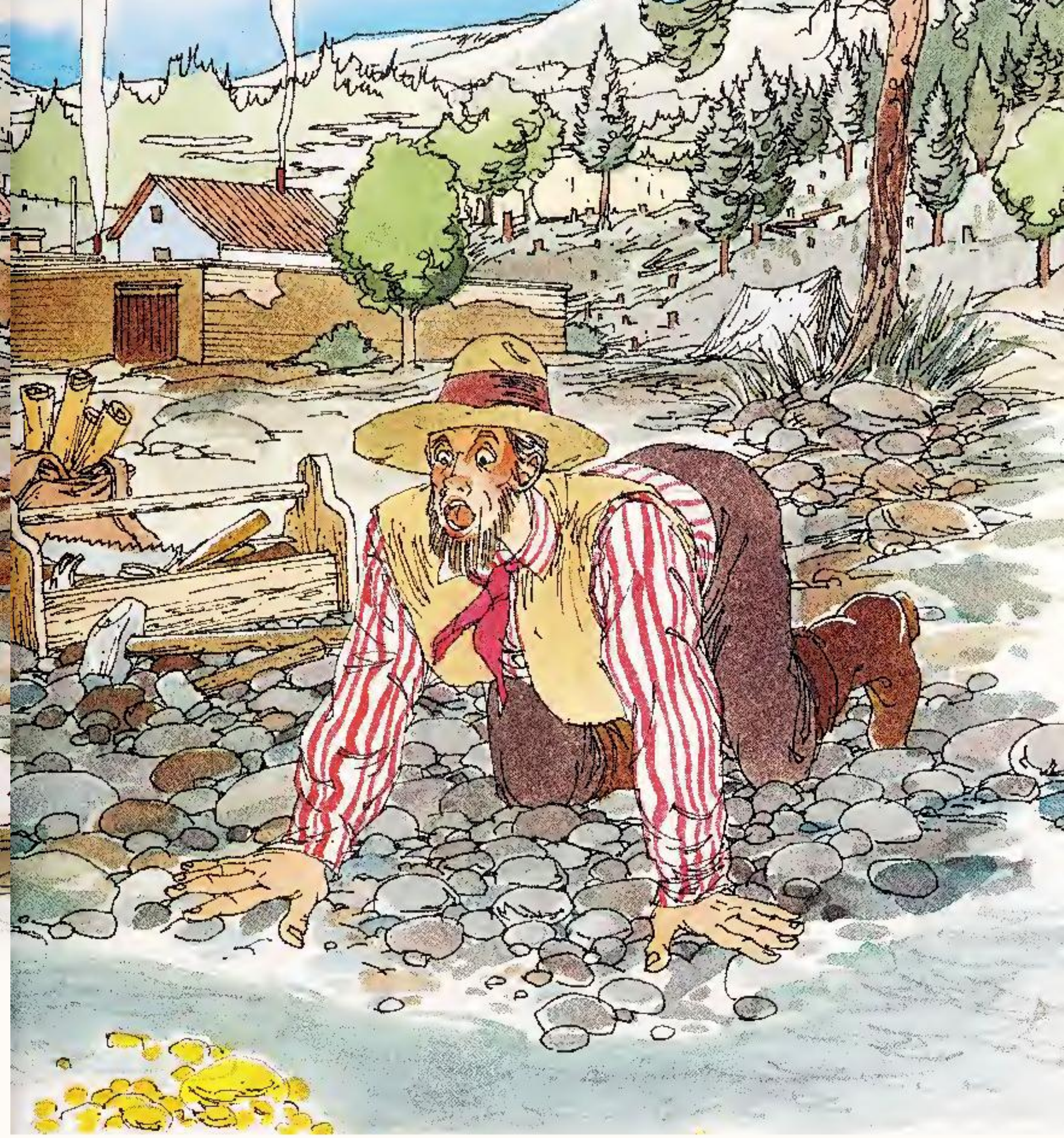





# अध्याय 1

# सोना!

कैलिफोर्निया में एक ठंडी सुबह थी. जेम्स मार्शल ने एक तेज़ बहती धारा को देखा. वो पानी, एक अमेरिकी नदी से एक नई आरा मिल की ओर बह रहा था. मार्शल वह बढ़ई था जिसने मिल का निर्माण किया था. वो अक्सर अपने कर्मचारियों से कहता था, "यहाँ खनिज हैं. शायद यहाँ चांदी और सोना भी हो." लेकिन लोग बस उस पर हँसते थे.



अचानक, उसने कुछ चमकता हुआ देखा! वह घुटनों के बल बैठ गया. वहाँ! नीचे एक पीली डली चमक रही थी! फिर एक और! मार्शल का दिल धड़कने लगा. चट्टानों पर और उनके बीच की दरारों में, सोने के कण चमक रहे थे.

मार्शल ने एक डली उठाई और नदी के नीचे सरपट भागा. वह उसे आरा मिल के मालिक जॉन सटर को दिखाना चाहता था. वह सटर के कार्यालय में घुसा.

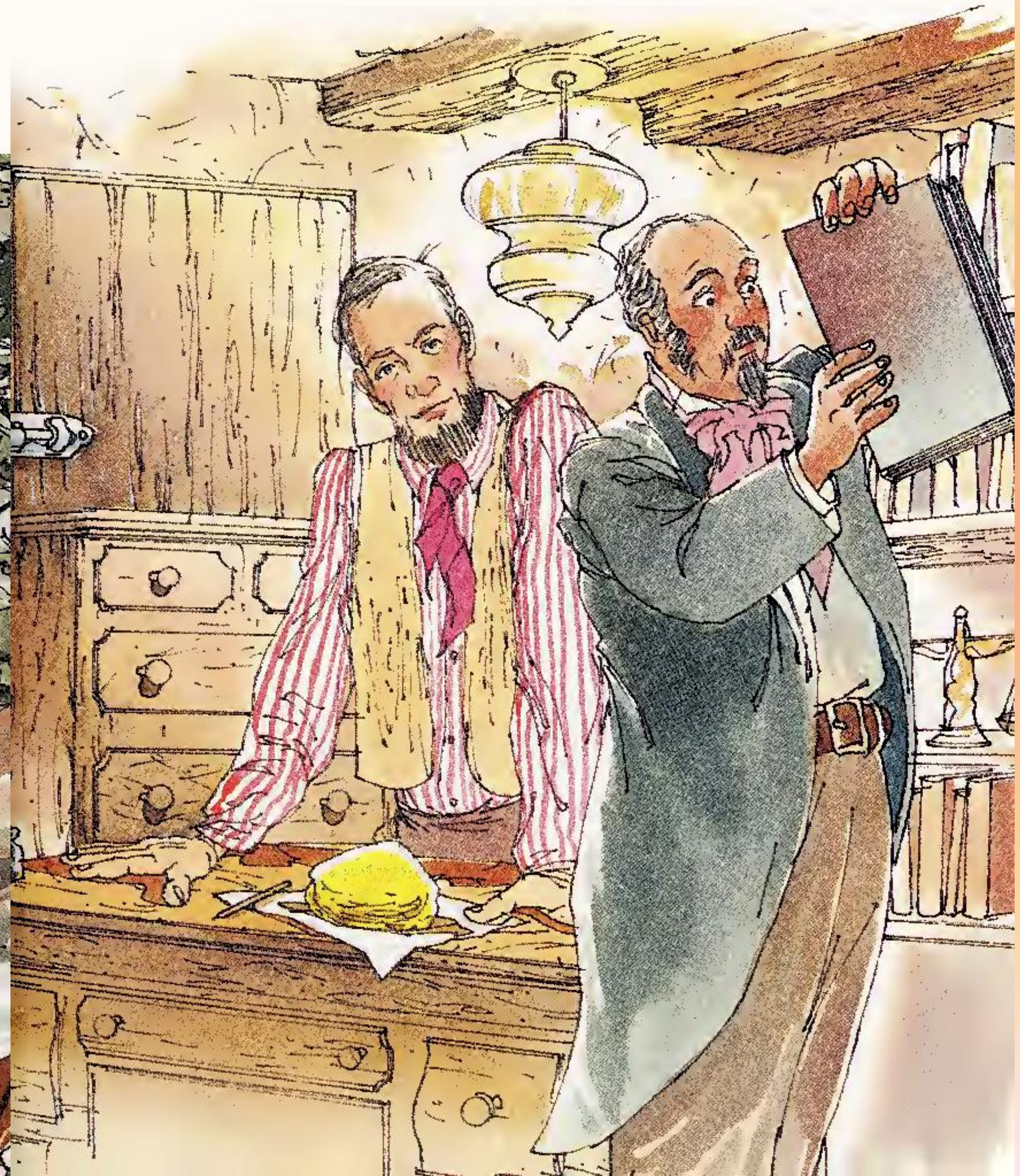
"हमें खुद को एक निजी कमरे में बंद करना चाहिए!" वो चिल्लाया.

सटर ने सोचा, "लगता है यह आदमी पागल हो गया है!" लेकिन उसने दरवाज़ा बंद किया. उसने एक मेज़ भी दरवाज़े के सामने धकेल दी!



सटर ने सोने की डली को देखा. "ठीक है," उसने कहा, "यह डली सोने जैसी दिखती है. चलो इसका परीक्षण करते हैं."

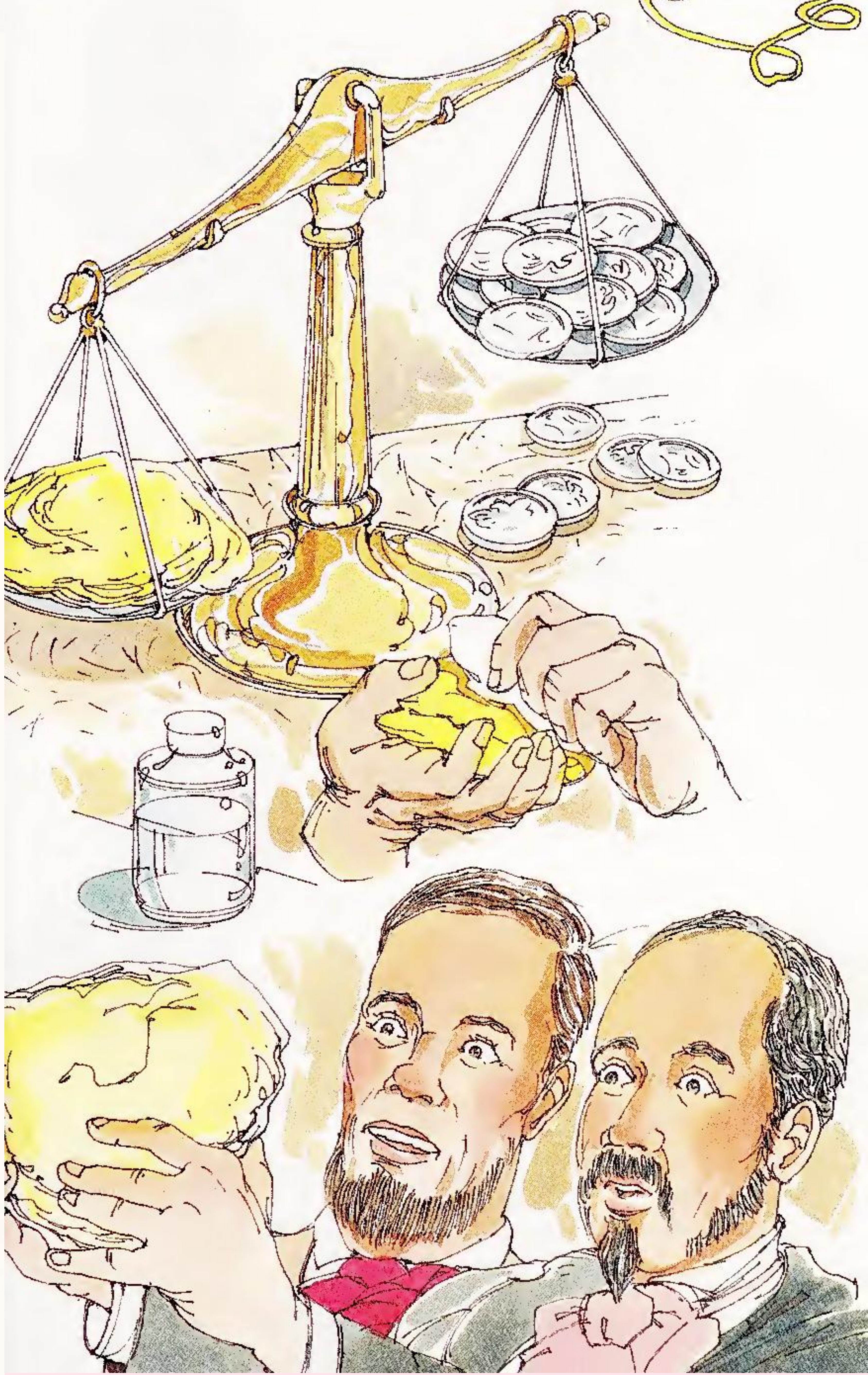
फिर उसने एक विश्वकोश निकाला.



उसने पढ़ा कि सोना किसी भी अन्य धातु की तुलना में नरम होता है. मटर के दाने के आकार के सोने के टुकड़े को, दो मील लंबे तार में खींचा जा सकता है. सोने को इतना पतला किया जा सकता है कि आप उसमें से एक हरे रंग की रोशनी को चमकते हुए देख सकते हैं. सोना, पत्थरों और रेत से आठ गुना भारी होता है. सोना मजबूत, फिर भी नरम होता है. सोने में जंग नहीं लगती और वो धूमिल नहीं होता है.

सटर और मार्शल ने चट्टान का परीक्षण किया. उन्होंने उसे पीटा. यह आसानी से चपटा हो गया - बिल्कुल सोने की तरह. उन्होंने उसका वजन किया. वो मुट्ठी भर चांदी के सिक्कों से ज्यादा भारी था. उन्होंने यह देखने के लिए उस पर एसिड रगड़ा कि यह जंग खाएगा या धूमिल होगा. लेकिन वैसा कुछ नहीं हुआ!







मार्शल उत्साह से पागल हो गया. वह कमरे में घूमने लगा. "सोना! सोना!" लेकिन जॉन सटर गंभीर था. उसके पास अंगूर के बाग, खेत और मवेशी थे. वह जानता था कि उसके सभी कर्मचारी सोने की तलाश में भाग जाएँगे. सोना सब कुछ बदल देगा.



"कृपया!" उसने मार्शल से विनती की. "इस खबर को छह सप्ताह तक गुप्त रखना!" कम-से-कम तब तक वसंत रोपण तो हो जाएगा.

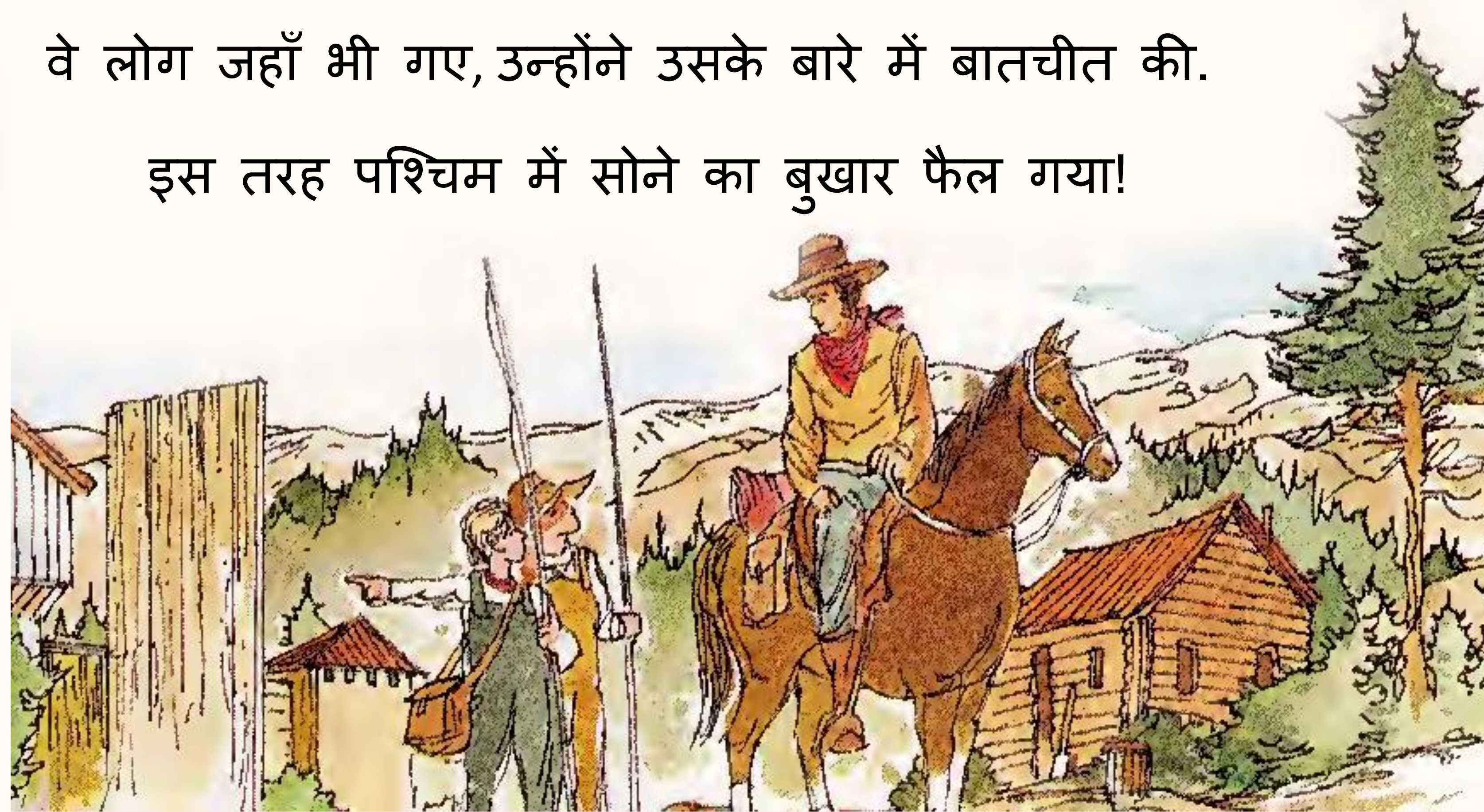
लेकिन ऐसा रोमांचक रहस्य का हाल कौन छिपा कर रख सकता है?

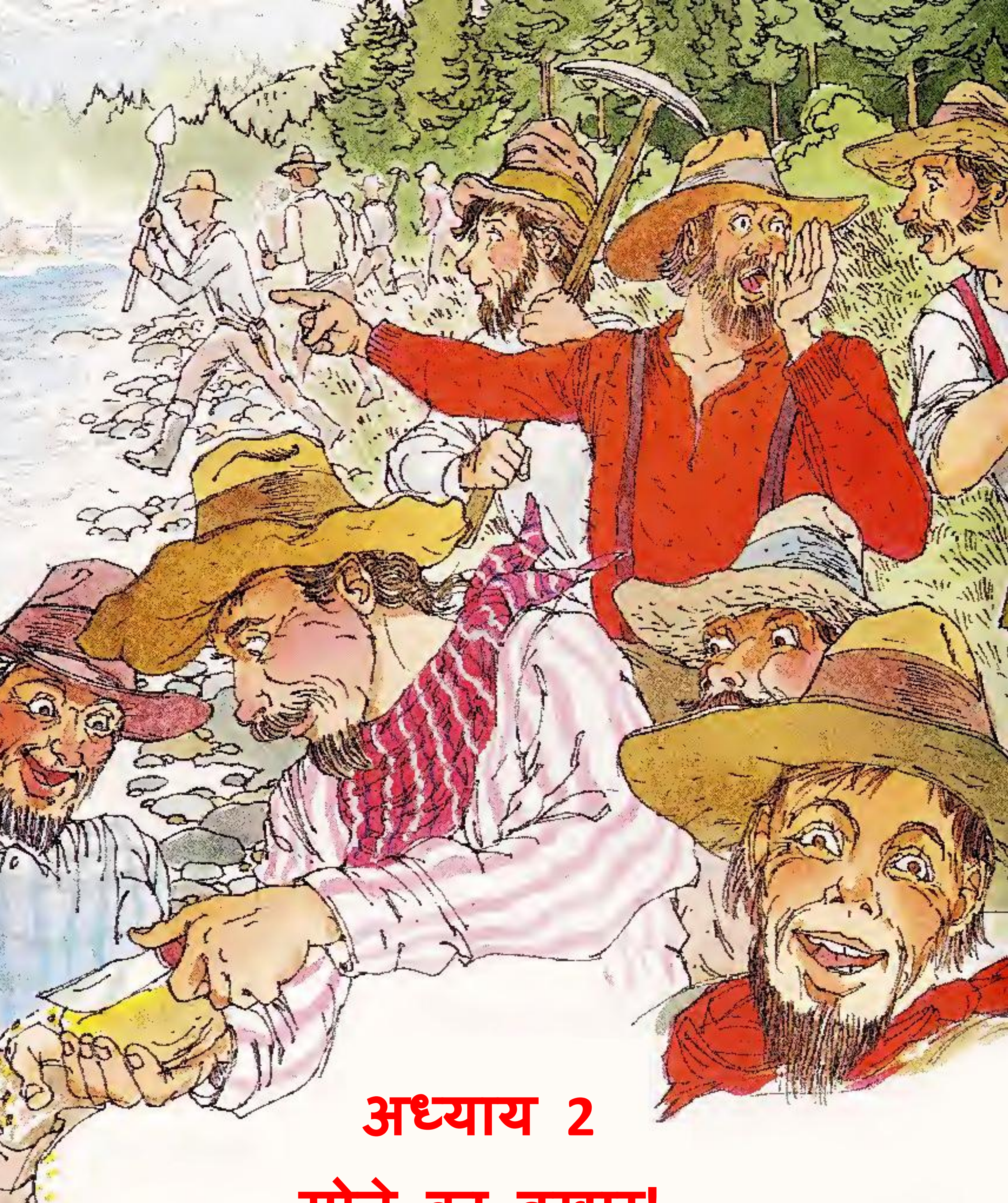
सटर खुद इससे बहुत खुश था. वह इधर-उधर घूमता रहा, शेखी बघारता रहा. उसने एक स्पेनिश दोस्त को लिखा, "कुछ बहुत महत्वपूर्ण हुआ है!"



मार्शल भी रहस्य को छिपा कर नहीं रख सका. उसने अपने कर्मचारियों से कहा, "भगवान की कसम, लड़कों, हमें यहाँ एकदम खरी चीज़ मिली है!" कर्मचारियों ने भी उनसे मिलने आए हरेक व्यक्ति को बताया. फिर वे लोग जहाँ भी गए, उन्होंने उसके बारे में बातचीत की.

इस तरह पश्चिम में सोने का बुखार फैल गया!







## अध्याय 2
## सोने का बुखार!

आरा मिल के कर्मचारियों ने अपनी नौकरी छोड़ दी. वे चाकू लेकर सटर की संपत्ति पर खोज करने लगे. वे सोने के टुकड़ों को अपने चमड़े के थैलों में भरने के लिए तैयार थे.

जॉन सटर उदास होकर इधर-उधर भटकता रहा.

अब औजार जमीन पर पड़े थे. घर आधे-अधूरे बने हुए थे. खेत आधे-अधूरे पड़े थे.

"वे सब मुझे छोड़कर चले गए," सटर ने अपनी डायरी में लिखा. "क्लर्क से लेकर रसोइए तक सभी."

सटर के लिए काम करने वाले कुछ कर्मचारी मॉर्मन नदी के नीचे चले गए. वहां उन्हें रेत के टीले में ढेर सारा सोना मिला. एक हफ़्ते में, उन्होंने 49,000 डॉलर का सोना निकाला. आज, इतना सोना आधे मिलियन डॉलर से ज़्यादा का होगा!



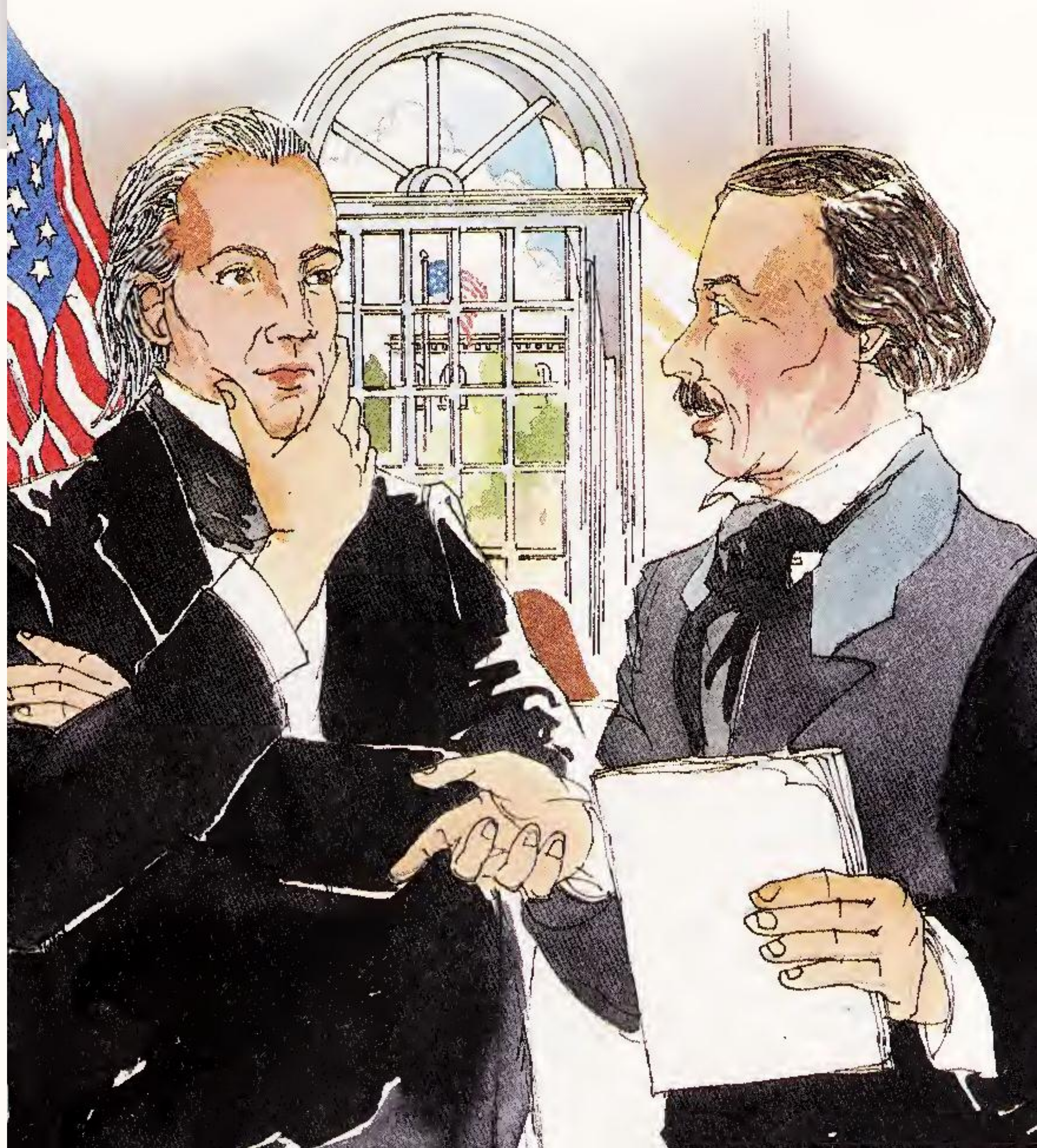
सैम ब्रैनन नाम का एक मॉर्मन, सोने की धूल की एक बोतल लेकर सैन फ्रांसिस्को गया.

"सोना! सोना!" वह सड़कों पर इधर-उधर घूमता हुआ चिल्लाया. "अमेरिकी नदी में सोना!"

उस समय, सैन फ्रांसिस्को में केवल 900 लोग रहते थे. और उससे उन सभी को सोने का बुखार चढ़ गया! डॉक्टर, वकील, दर्जी, लोहार और ठेला बनाने वाले सभी खनिक बन गए. वे सटर की आरा मिल और मध्य कैलिफोर्निया की नदियों के आसपास के सोने के खेतों की ओर बढ़ निकले.

प्रसिद्ध फ्रंटियर स्काउट किट कार्सन ने वाशिंगटन, डी.सी. तक इस खबर की एक आधिकारिक रिपोर्ट पहुंचाई.

5 दिसंबर, 1848 को, राष्ट्रपति जेम्स पोल्क ने राष्ट्र के सामने घोषणा की: "यह सच है! कैलिफोर्निया में अद्भुत संपदा की खोज की गई है!"



पूर्व में सोने का बुखार फैल गया! बोस्टन, न्यूयॉर्क शहर और फिलाडेल्फिया में अफ़वाहें उड़ीं.

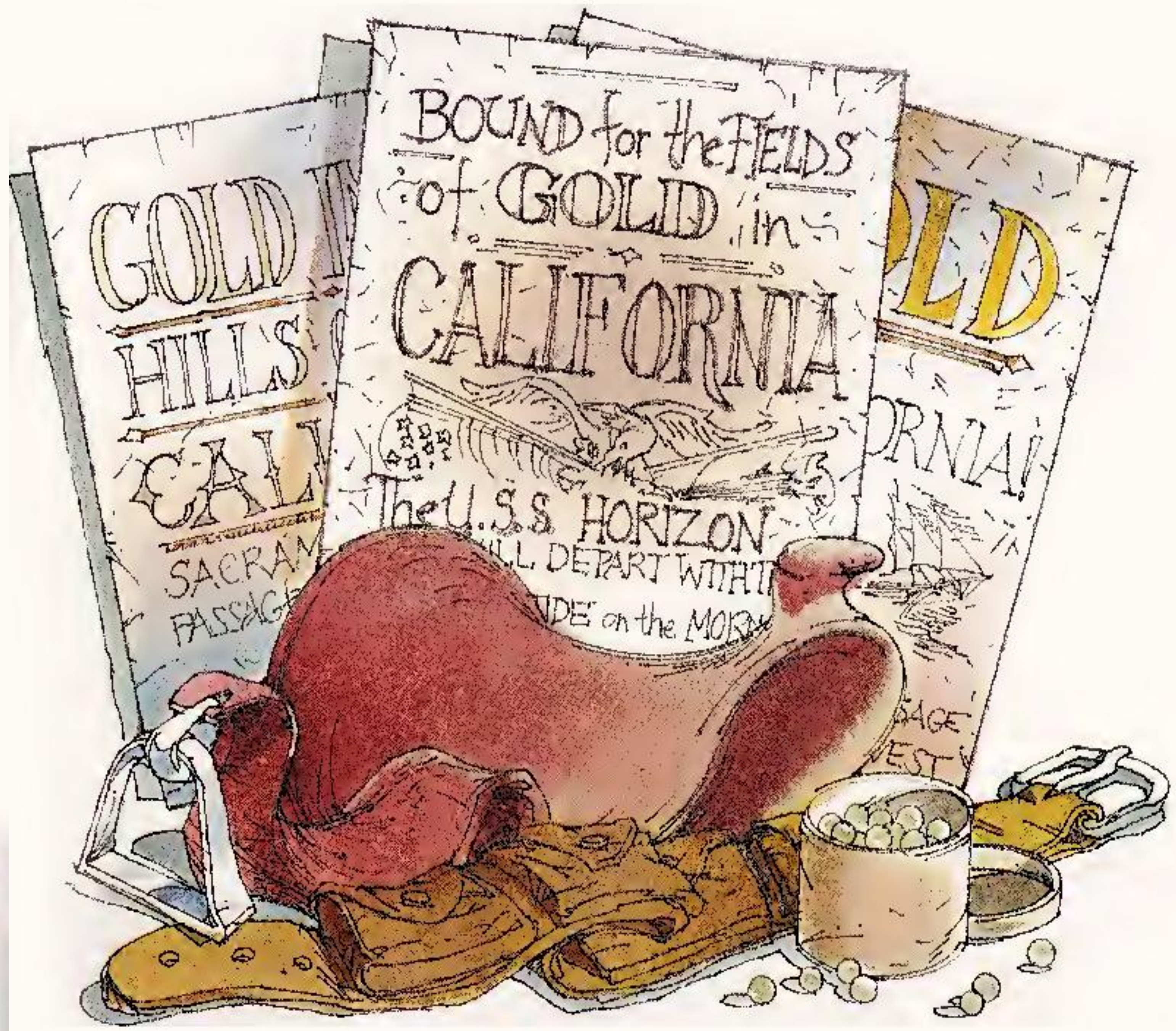
"आप ज़मीन से एक झाड़ी उखाड़ सकते हैं - और उसकी जड़ों में सोने की डली चिपकी हुई होंगी!"

"लोग पूरे देश में दौड़ रहे हैं, धरती से सोना निकाल रहे हैं, बिलकुल वैसे जैसे एक हज़ार सूअर आलू उखाड़ रहे हों."

"पूर्वी नदियों में मछलियाँ हैं, लेकिन कैलिफोर्निया की नदियाँ सोने से भरी हैं!"




व्यापारियों ने सोने के लिए विशेष मनी बेल्ट, "कैलिफ़ोर्निया सैडल्स" और ट्रेल पर बीमारी को ठीक करने के लिए इंडियन दवाइयों की गोलियाँ बेचीं.




अख़बारों ने विज्ञापन दिया: "कैलिफ़ोर्निया के लिए हुर्रे! कैलिफ़ोर्निया गोल्ड ग्रीस खरीदें! केवल 10 डॉलर प्रति बॉक्स! ग्रीस अपने शरीर पर रगड़ें, पहाड़ी से नीचे लुढ़कें. फिर सोना, और केवल सोना ही आपकी त्वचा पर चिपकेगा!"

कारखानों ने कुदाल, फावड़े, जूते और बिस्कुट बनाए. एक खनिक ने तो डाइविंग सूट भी खरीदा - ताकि वह नदी के तल पर चल सके और सोने की डली बीन सके!

"सोना! सोना! सोना!" जंगली चीख पूरे पूर्व में गूंज उठी. मर्दों ने अपनी पत्नियों और बच्चों, नौकरियों, गायों और खेतों को छोड़ दिया. वे पश्चिम की ओर एक मानवीय ज्वार की लहर में गए.

"चिंता मत करो!" उन्होंने अपने परिवारों से कहा. "हम अपनी जेबों में सोना भरकर वापस लौटेंगे!"





# अध्याय 3
# गोल्ड रश: ज़मीन से

ज़्यादातर सोने के चाहने वालों के लिए, कैलिफ़ोर्निया 3,000 मील दूर था. आज, आप उस दूरी को लगभग छह घंटे में उड़कर तय कर सकते हैं. लेकिन उस समय, इसमें कई हफ़्ते लगते थे.

1849 में, संघ में केवल तीस राज्य थे. मिसौरी नदी और कैलिफ़ोर्निया के बीच, जंगल के अलावा कुछ नहीं था.

अख़बारों में उन्हें "फोर्टी-नाइनर्स" कहा जाता था, उन्होंने अपने वैगनों में बैलों या खच्चरों को जोड़ा. उन्होंने अपने घोड़ों पर काठी चढ़ाई, अपने चलने के जूते पहने और मैदान की ओर मुँह किया. फिर उन्होंने गाना शुरू किया.



लेकिन रास्ते पर धूल बारह इंच गहरी हो गई. यह धूल उनकी आँखों में, उनकी नाक में और उनकी पैंट में समा गई. उन्हें सिरदर्द, पीठ में दर्द और पैरों में दर्द होने लगा. अब किसी का भी गाने का मन नहीं कर रहा था.

फोर्टी-नाइनर्स ने नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने में फफूंद लगी हुई फलियाँ और बेकन खाया. कभी-कभी उन्हें कोई दावत मिल जाती थी - भैंस के मांस की पाई, या बुश फिश, जिसे रैटलस्नेक के नाम से भी जाना जाता है!





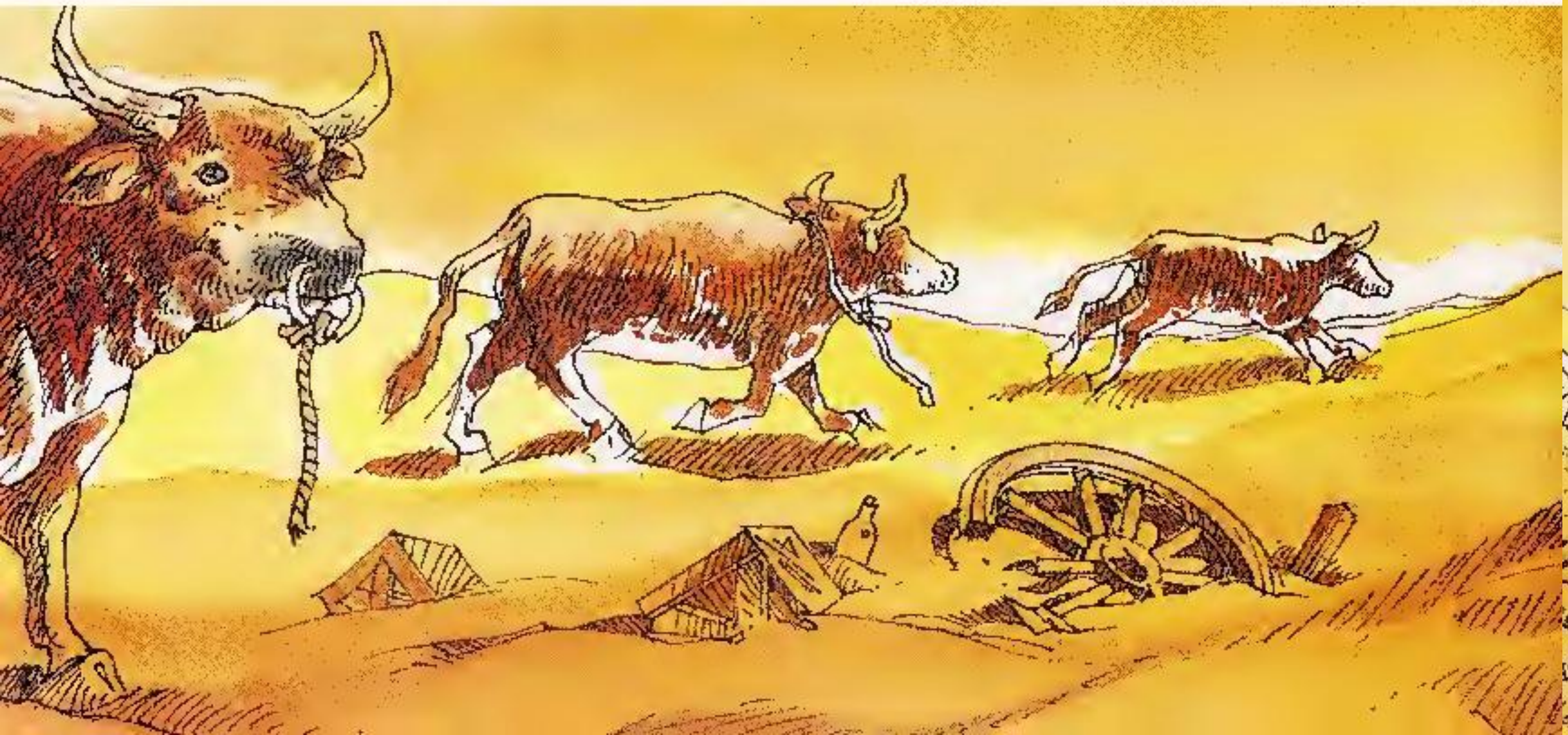
थके हुए और चिड़चिड़े, पुरुष एक-दूसरे से लड़ते थे. कभी-कभी वे शत्रुतापूर्ण स्थानीय इंडियंस से भी लड़ते थे. लेकिन कई पुरुष सीमावर्ती जीवन जीने में कुशल नहीं थे. उन्होंने राइफल उठाते समय खुद को गोली मार ली. कई लोग हैजे से बीमार हो गए और मर गए. उन्हें उफनती नदियाँ पार करनी पड़ीं. तेज़ धाराओं ने लोगों और जानवरों को पानी में बहा दिया. कई लोग डूबकर मर गए.

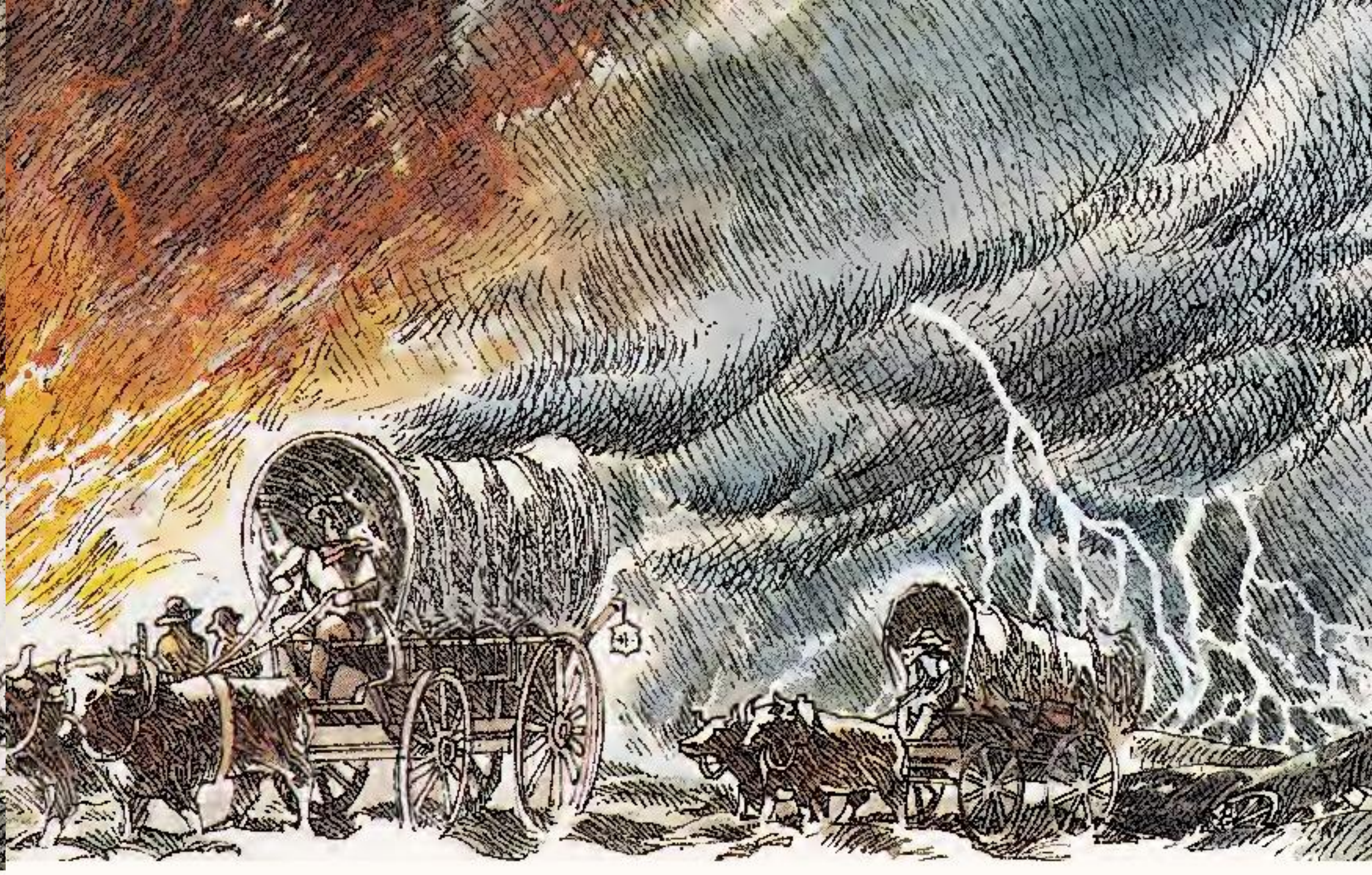




फोर्टी-नाइनर्स ने मैदानी इलाकों में लगी आग, बिजली और गरज के बावजूद आगे बढ़ना जारी रखा. वे कीचड़ के समुद्र और गोल्फ़ की गेंदों जितने बड़े ओलों के तूफानों से गुज़रे.

प्रेयरी के बाद जलता हुआ रेगिस्तान आया. दिन-ब-दिन, लोग बिना पानी के आगे बढ़ते रहे. तपती धूप ने उनकी त्वचा को इतना सुखा दिया कि वह फट गई.



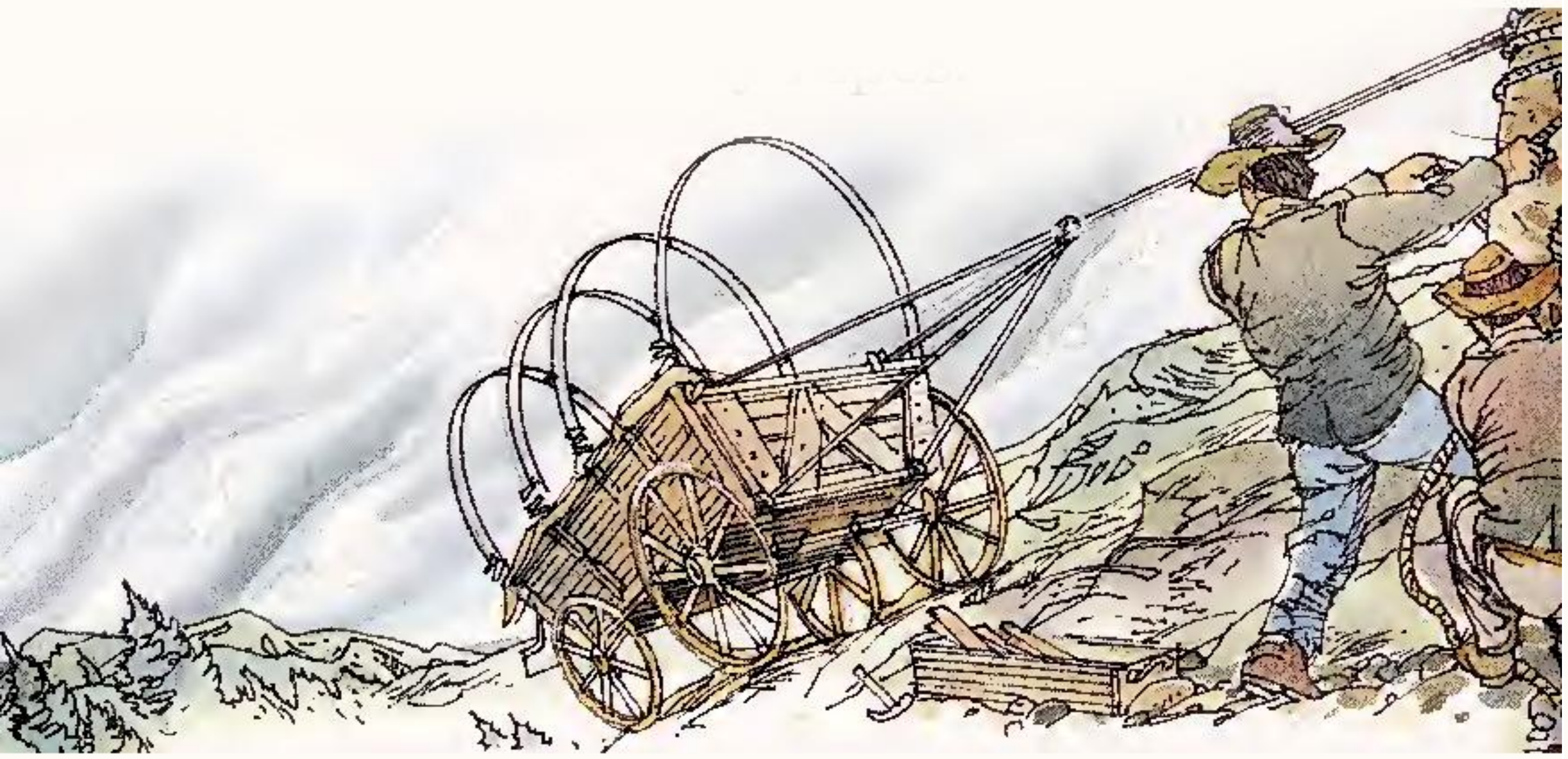


उनकी जीभें सूज गईं. कब्रें, मरे हुए जानवर और छोड़ गया सामान उन्हें पूरे रास्ते में दिखाई दिया.

कभी-कभी उन्हें दूर-दूर तक सुंदर हरे पेड़ और नीला पानी दिखाई देता था. लेकिन यह केवल एक मृगतृष्णा थी. एक बार बैलों को इतनी प्यास लगी कि वे उसकी ओर भागे. फिर कुछ मिनटों के बाद, मृगतृष्णा फीकी पड़ गई और बैल मर गए.



आखिरकार फोर्टी-नाइनर्स रेगिस्तान से बाहर आए. तलहटी की घास और ठंडी धाराओं ने उनका उत्साह बढ़ाया. लेकिन ज़्यादा देर तक नहीं! आगे "हाई सिएरा“ थी, और सर्दी बढ़ने वाली थी. वैगनों को उतारकर खड़ी ढलानों पर घसीटना पड़ता था, फिर रस्सियों से चट्टानी किनारों पर उतारा जाता था.



बर्फ ने सब कुछ ढक दिया था. बर्फ गिरती थी और बर्फ उड़ती थी, जिससे सारी जलाऊ लकड़ी छिप जाती थी. भोजन के लिए कोई जानवर नहीं था. लोग उबले हुए हिरण के खुर और छोटे पक्षियों को खाते थे. वे गर्म रहने के लिए वैगन के पुर्जे जलाते थे. इस सब के दौरान, वे केवल एक ही चीज़ का सपना देखते रहे: कैलिफोर्निया का सोना!



# अध्याय 4
# गोल्ड रश: समुद्र के रास्ते

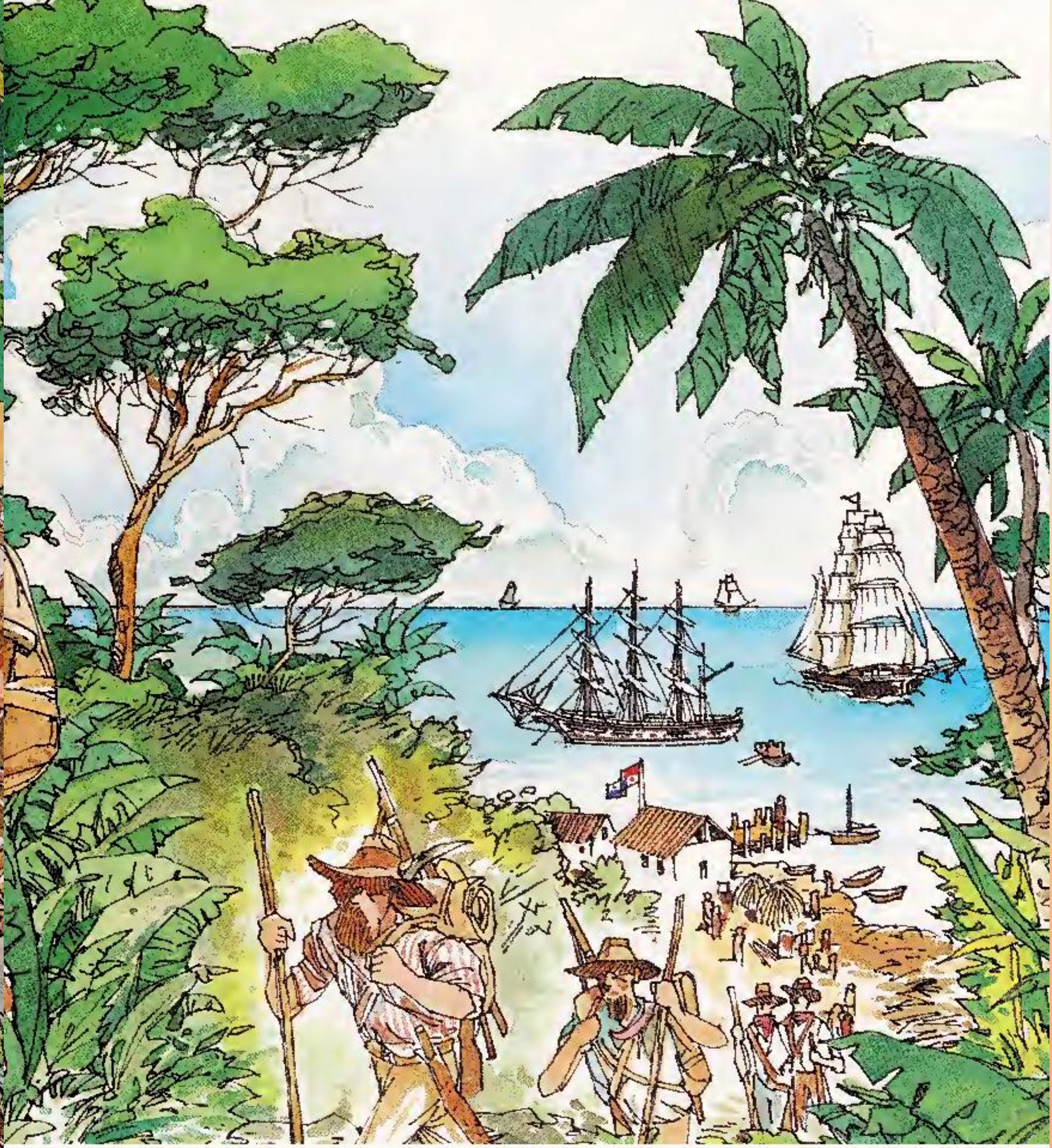
अन्य लोग पानी के रास्ते आए. वे दक्षिण अमेरिका के चारों ओर और पश्चिमी तट तक, एक लंबी, कठिन यात्रा पर गए.

लोग क्लिपर जहाजों, पुनर्निर्मित व्हेलर्स और आधी सड़ी हुई नावों पर सवार हुए. अगर कोई चीज़ तैरती वो वे उस पर सवारी करते थे!

डेक के नीचे से बदबू आ रही थी और सांस लेना मुश्किल था. केवल चूहे उसे पसंद करते थे. लोग ताजी हवा के लिए डेक पर आते . लेकिन डेक पर, ठंडी हवा उन्हें बर्फीले पानी से थपथपाती.

यात्रा में छह महीने लग सकते थे. भोजन में कीड़े लग गए और पानी में चिपचिपाहट आ गई. कई लोग स्कर्वी और हैजे से बीमार पड़ गए. मृतकों को समुद्र में ही दफना दिया गया.





पनामा के इस्तमुस के पार एक शॉर्टकट था. वहां उत्तर और दक्षिण अमेरिका को जोड़ने वाली भूमि की एक छोटी पट्टी थी. लोग पूर्वी की ओर अपने जहाज से उतर गए और पश्चिमी तरफ चले गए. वहाँ उन्होंने कैलिफ़ोर्निया तक जाने के लिए एक और जहाज पकड़ने का इंतज़ार किया.

लेकिन इस्तमुस साठ मील का घना जंगल था. वो बहुत गर्म था, और मच्छरों, पिस्सू, साँपों, जंगली बिल्लियों, मगरमच्छों, मकड़ियों और चोरों से भरा हुआ था.

कई फ़ोर्टी-नाइनर्स को उष्णकटिबंधीय बुखार हो गया. लेकिन सोने के बुखार ने उन्हें फिर भी आगे बढ़ाया!



# अध्याय 5
# सोने के खेत

शुरू में, वहां पर सभी के लिए जगह थी. एक खनिक कोई भी जगह चुन सकता था. उसे अपने दावे के लिए कोनों पर टिन के डिब्बे या खूँटों पर चीथड़े लटकाने पड़ते थे.

वहाँ कोई कानून या पुलिस नहीं थी, बस कुछ सरल नियम थे. अगर कोई चोरी करता तो उसे उनतीस कोड़े मारे जाते या उसके कान काट दिए जाते - या फिर उसे फांसी दे दी जाती!

सिर्फ़ अमेरिकियों को ही सोने का बुखार नहीं चढ़ा. लोग यूरोप, चीन, रूस और ऑस्ट्रेलिया से भी आए थे. लेकिन चाहे वे कहीं से भी आए हों, अब वे सभी एक जैसे दिखने लगे थे.

फ़ोर्टी-नाइनर्स ने दाढ़ी बढ़ा ली. वे लाल फलालैन शर्ट, चौड़ी-चौड़ी टोपी और ऊंचे जूते पहनते थे. वे पिस्तौल, कुल्हाड़ी और चाकू रखते थे. जब तक वे कैलिफोर्निया पहुंचे, वे थक चुके थे और उनके पास पैसे नहीं थे. लेकिन वे वहां अमीर बनने आए थे.



धरती से सोना निकालना आसान नहीं था. उसे "धोना" पड़ता था. सबसे आसान तरीका था पैनिंग. एक खनिक, बजरी और पानी को एक उथले थाल या कटोरे में भरता था. धीरे से, वह पानी के साथ गंदगी को बाहर निकालने के लिए थाल को गोल-गोल घुमाता था. भारी सोना नीचे रह जाता था. पैनिंग में कई घंटे लगते थे. एक बार में केवल थोड़ी मात्रा में गंदगी को धोया जा सकता था.



खनिक “पालने” जैसे यंत्र में भी सोना धोते थे. पालना असल में एक लकड़ी का बक्सा होता था, जिसके ऊपर चलनी और नीचे लकीरें होती थीं. वे मिट्टी में फावड़ा चलाते थे और उस पर पानी डालते थे, फिर पालने को आगे-पीछे हिलाते थे. पत्थर चलनी में फंस जाते थे. हल्की बजरी नीचे गिर जाती थी और पानी में बह जाती थी. भारी सोना लकीरों में फंस जाता था.

"लॉन्ग टॉम" भी थे. लॉन्ग टॉम एक बहुत बड़ा पालना था. लॉन्ग टॉम को चलाने के लिए एक से ज़्यादा लोगों की ज़रूरत पड़ती थी.



शुरुआत में, बहुत से खनिकों ने सोना पाया.

एक व्यक्ति ने चार फीट गहरा गड्ढा खोदा. वह दिन भर उसमें बैठा रहा, और चम्मच से खोदता रहा. उसने लकड़ी के कटोरे में सोने की डालियाँ जमा की. अंत में वह खोदते-खोदते इतना थक गया कि उसने एक दूसरे खनिक को बारी दे दी!

एक और व्यक्ति ने एक गड्ढा खोदा और एक गिलहरी के घोंसले में जा गिरा. वहाँ उसने देखा की अखरोटों की जगह, गिलहरी ने सोने की डालियाँ जमा की थीं!





पर्किन्स नाम के एक दस वर्षीय लड़के ने अपने गुलेल के लिए एक पत्थर उठाया. लेकिन वो एक हजार डॉलर कीमत का सोने का टुकड़ा निकला.

हैन्स नाम का एक व्यक्ति अपने खच्चर का पीछा करते हुए एक पहाड़ी से नीचे उतरा. वह एक सोने की चट्टान पर ठोकर खा गया. उसका वजन चौदह पाउंड था. उसी पहाड़ी पर मिली एक और चट्टान का वजन 195 पाउंड था! यह अमेरिका में अब तक मिली सबसे बड़ी सोने की डली थी. आज उसकी कीमत 1,229,592 डॉलर होगी!







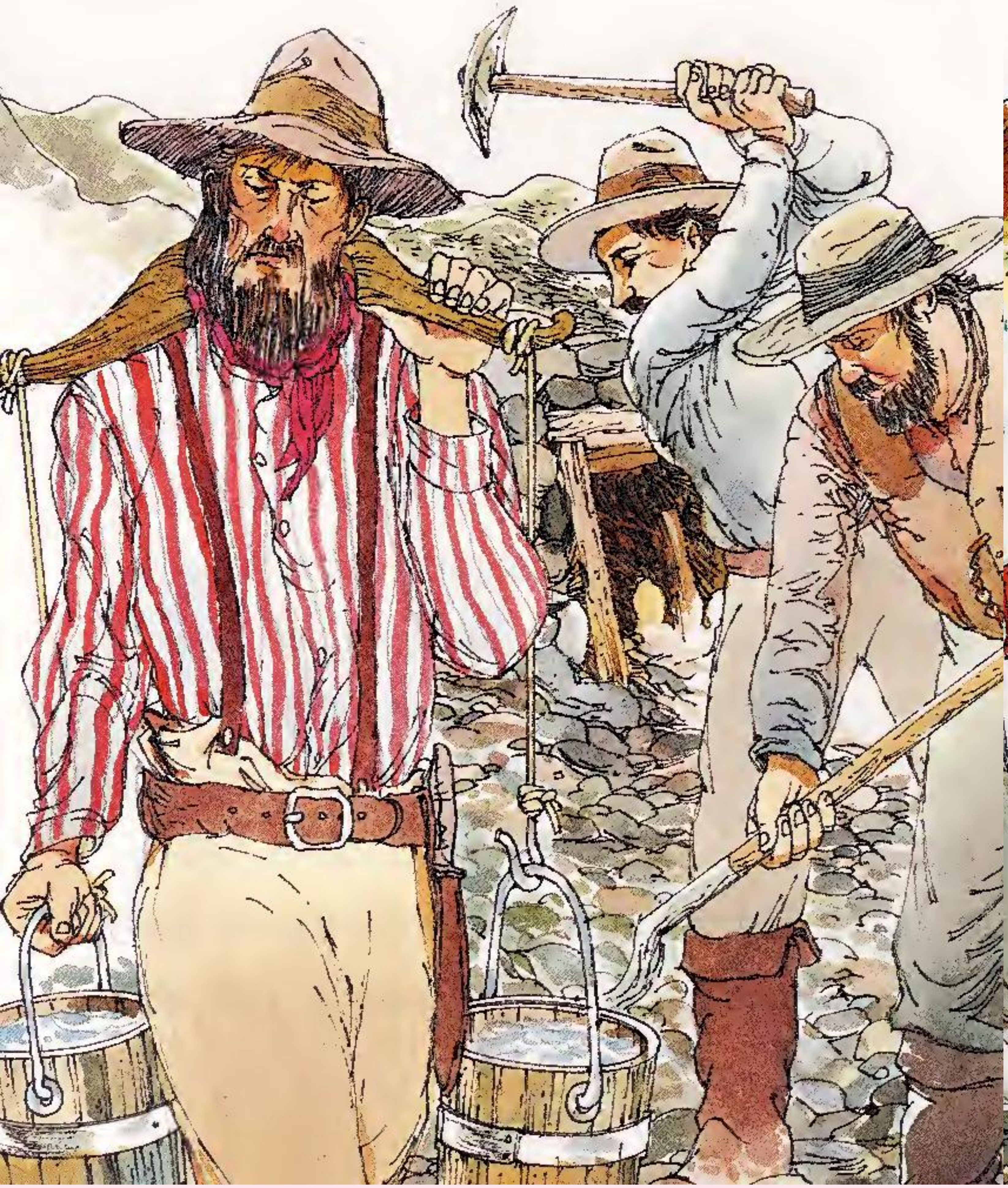
अधिकांश खनिक अपनी किस्मत समेटने और घर जाने की जल्दी में थे.

कुछ लोगों ने केबिन बनाने में समय लगाया. बाकी लोग टेंट, झोपड़ी या जमीन में बने गड्ढों में सोते थे. वे पानी में नरम करके सुखाया हुआ गोमांस खाते थे. शिकार करने या सब्जियाँ लगाने का समय किसके पास था? उनकी रूचि सिर्फ सोने की खुदाई में थी!

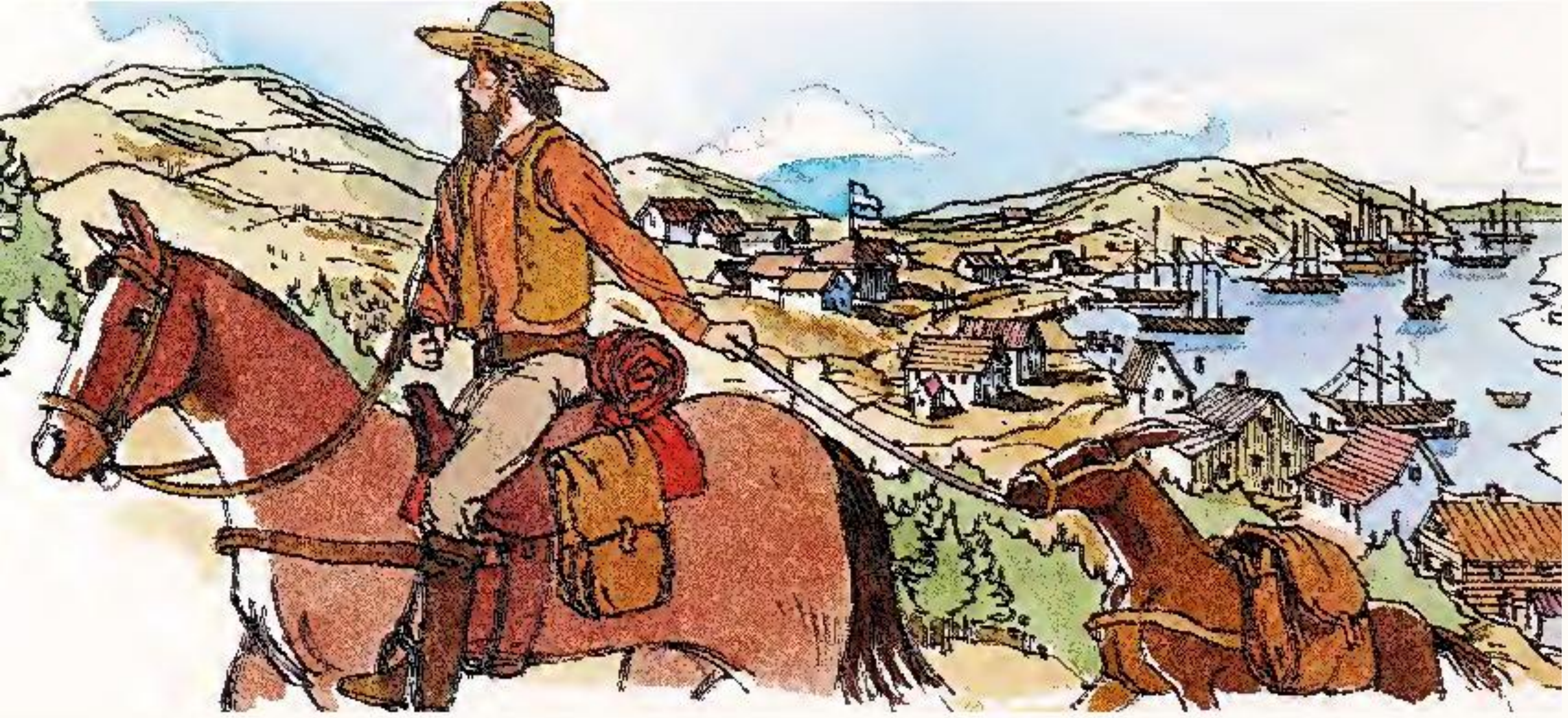
व्यापारी आए. उन्होंने खनिकों के सोने के बदले सूखे आड़ू, अचार और प्याज का व्यापार किया. उनकी कीमतें आसमान छूती थीं. एक अंडे की कीमत तीन डॉलर हो सकती थी! जुआरी और ताश के खिलाड़ी भी आए. उन्होंने टेंट सैलून बनाए और संगीतकारों को काम पर रखा. खनिक संगीत सुनकर खुश होते थे! उन्होंने अपनी व्हिस्की के लिए एक चुटकी सोने की धूल का भुगतान करते और पूरी रात ताश खेलते. खनिकों ने जमीन से जो सोना निकाला, उसका अधिकांश हिस्सा जुआरियों की जेब में चला गया!

1850 तक, 100,000 लोग कैलिफोर्निया आ चुके थे. सोने के खेतों में भीड़ थी. "आसानी से मिलने वाला सोना" अब खत्म हो गया था. लोग मिट्टी खोदने और पानी ढोने में लंबे घंटे बिताते थे. उनके हाथों की उंगलियाँ और पैर की उंगलियाँ पत्थरों से कुचल गईं थीं.

लोग बर्फीले पानी में घुटने तक डूबे खड़े रहते थे. उनके पैर जम जाते थे. तेज धूप ने उनकी पीठ को झुलसा दिया. फोर्टी-नाइनर्स लोगों ने कड़ी मेहनत की, लेकिन उन्हें कम सोना ही मिला. वे निराश हो गए. कई लोगों ने दूसरे काम की तलाश की.







एक भूतपूर्व खनिक जानता था कि घर से इतनी दूर होने पर लोग कितने अकेले हो जाते हैं. उसने एक "एक्सप्रेस मेल" सेवा शुरू की. उसने खनिकों के नामों की एक सूची बनाई. फिर वह अपने टट्टू पर सवार होकर सैन फ्रांसिस्को डाकघर गया. वहाँ उसने मेल एकत्र की और उसे वापस शिविर में लेकर आया. इसमें उसे छह दिन लगे. उसने एक पत्र के लिए पचास सेंट लिए.

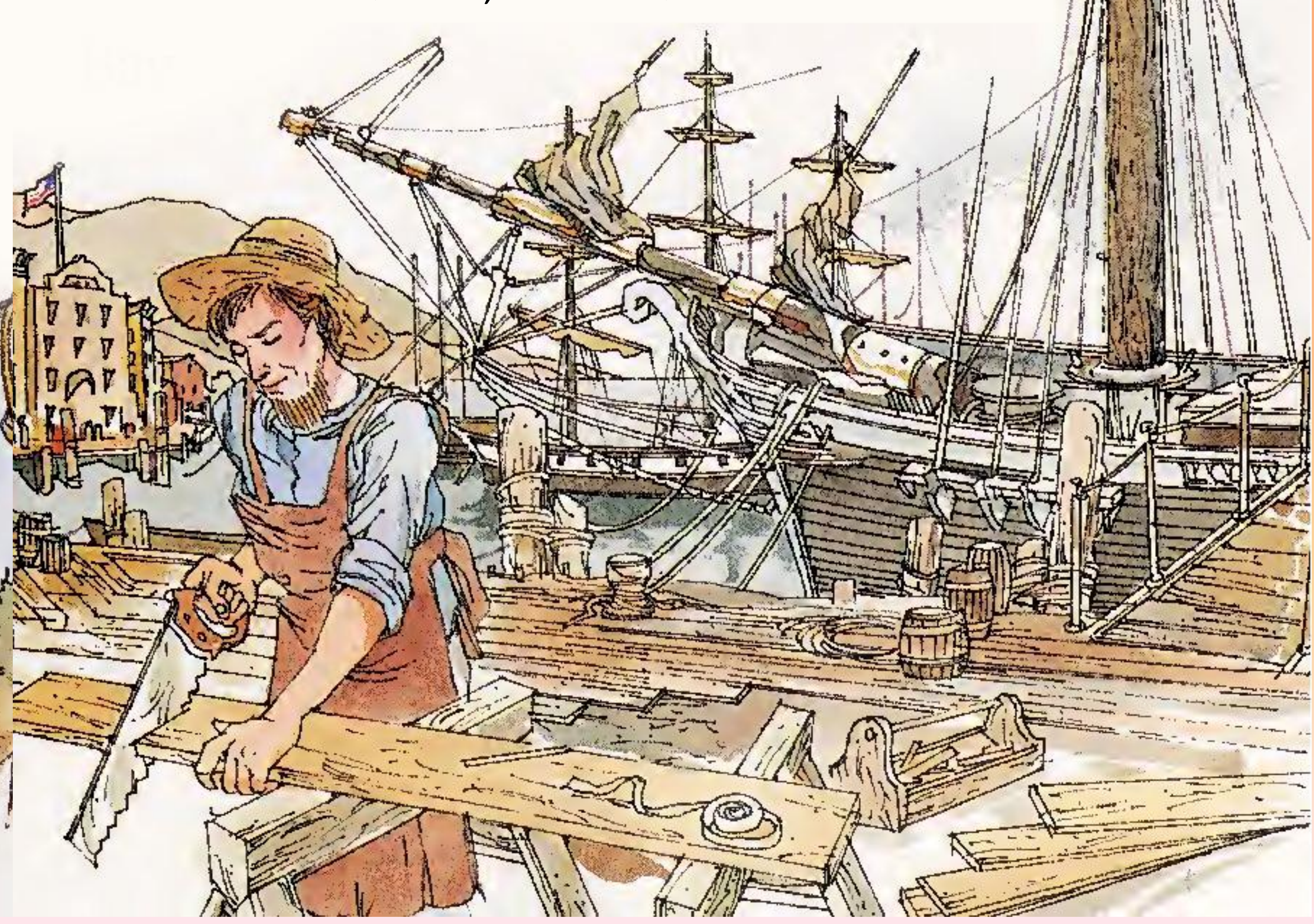
एक महिला को एक टूटा हुआ पुराना वॉश-बोर्ड मिला. उसने लोगों की धुलाई करके एक सप्ताह में 900 डॉलर कमाए!

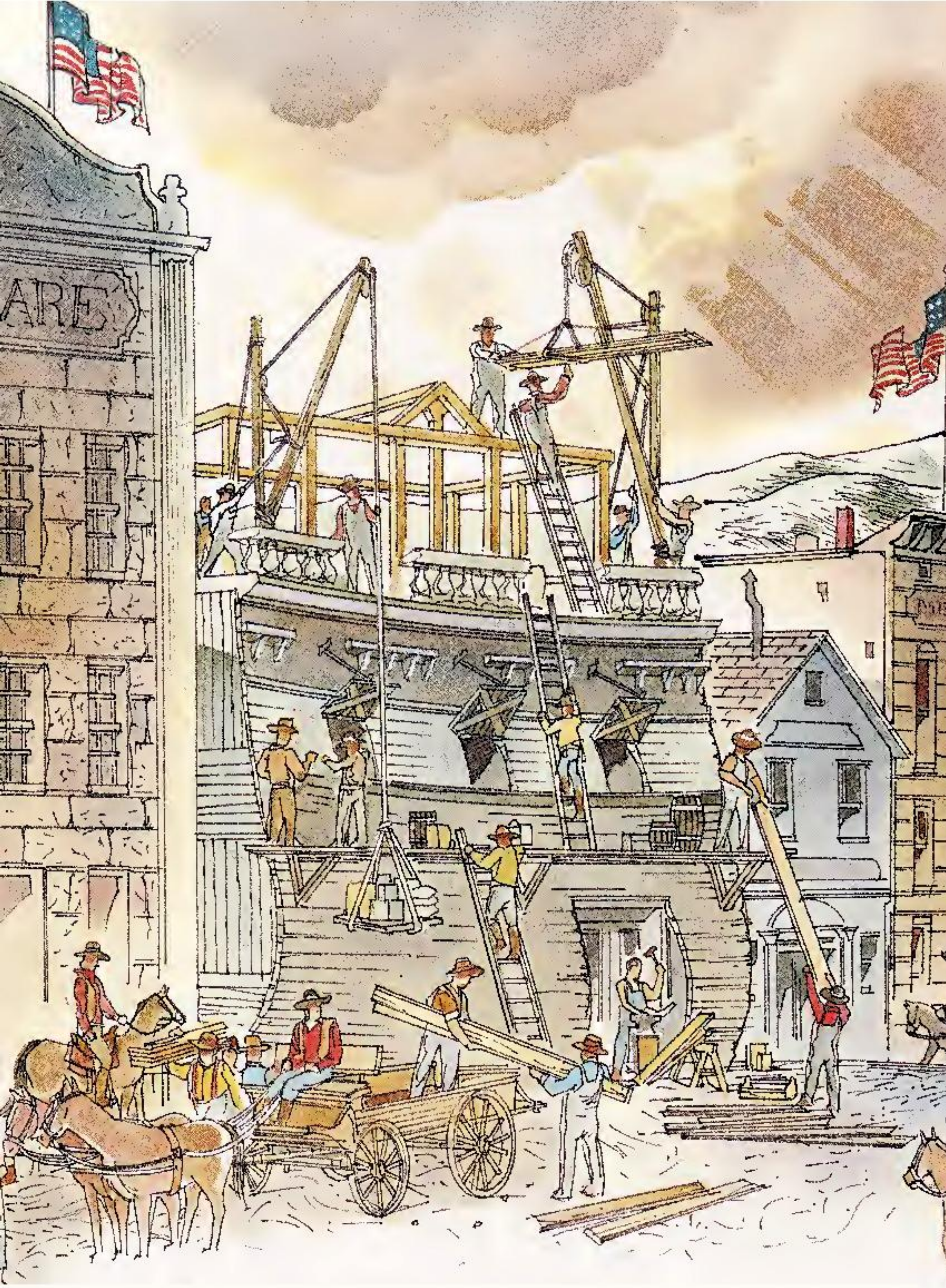


एक अन्य महिला ने मांस और फलों की पाई बेचकर 18,000 डॉलर कमाए.




कनेक्टीकट के एक बढ़ई मिस्टर राइट ने सोना खोदना छोड़ दिया और वे शहर चले गए. उन्होंने सैन फ्रांसिस्को खाड़ी के घाटों का निर्माण करके 70,000 डॉलर कमाए.






जब सोने की पहली बार खोज की गई थी, तब सैन फ्रांसिस्को एक सोया हुआ गांव था. दो साल बाद, 25,000 लोग वहां रहते और काम करते थे.




बंदरगाह परितज़ जहाजों से भरा हुआ था. सारे नाविक और यहां तक कि कप्तान भी सोने के खेतों की ओर भाग गए थे.

कुछ छोड़े गए जहाजों को किनारे पर खींचकर इमारतों के रूप में इस्तेमाल किया गया. बैंक, चर्च और शहर की जेल बनाने के लिए जहाजों के दरवाजे और खिड़कियां काटी गईं.

गोल्ड रश से पहले, लोगों को लगता था कि कैलिफ़ोर्निया झबरीले भालुओं से भरा एक बंजर इलाका था.



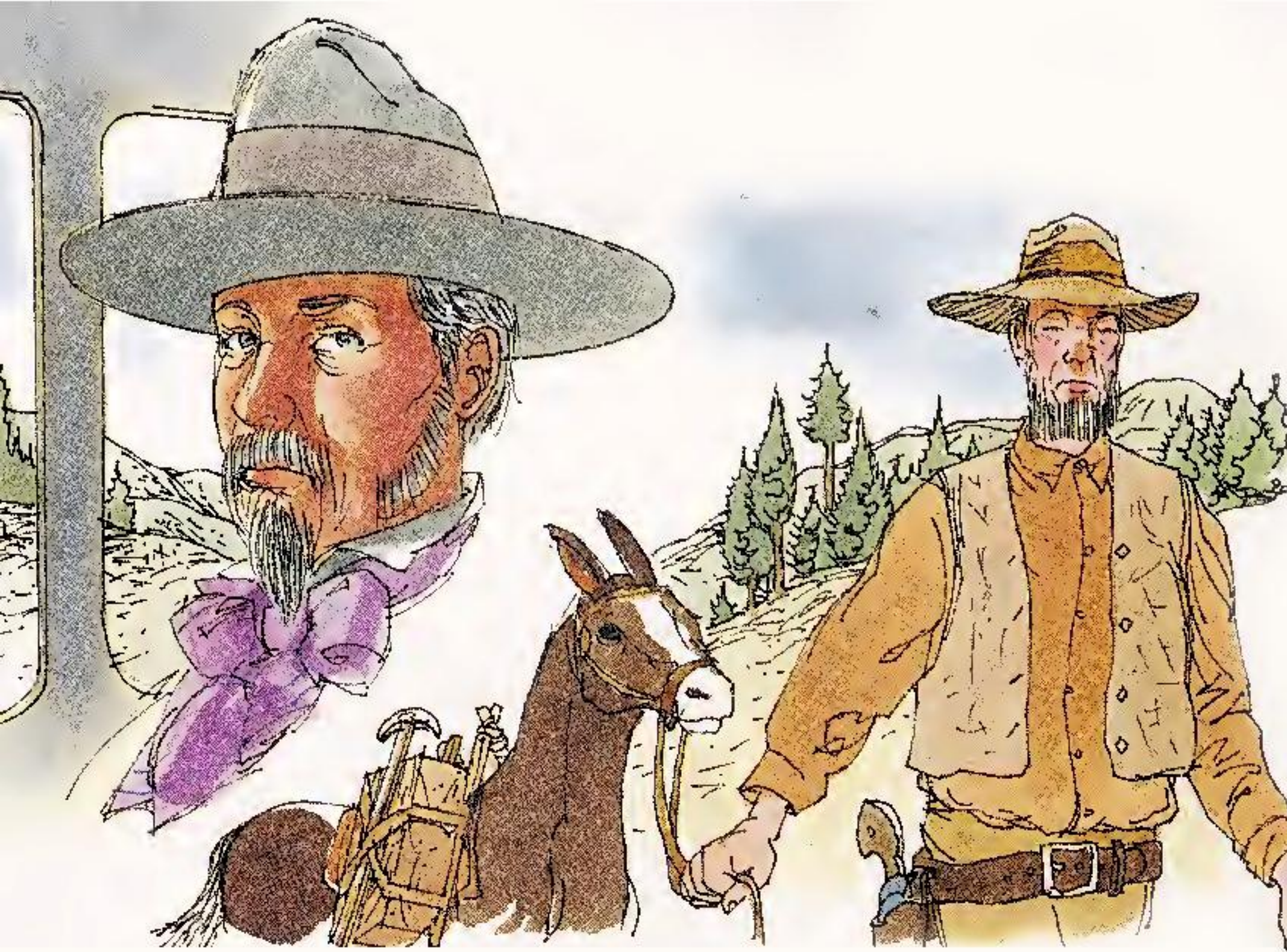


गोल्ड रश के बाद, यह महाद्वीप के सबसे अमीर और सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में से एक बन गया.




1850 में, कैलिफ़ोर्निया एक राज्य बन गया, जिसमें एक स्थापित सरकार और कानून थे.





और जॉन सटर का क्या हुआ? अवैध कब्जा करने वालों ने उसकी ज़मीन हड़प ली. अजनबी लोगों ने उसके मवेशी चुरा लिए. वह सोने की खदान में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया. उस पर बहुत सारे कर्ज थे. 1857 में, वो पूर्व की ओर पैंसिल्वेनिया चला गया.

जेम्स मार्शल, जिसने पहला सोना पाया, वो अधिक सोने की तलाश में जगह-जगह भटकता रहा. उसकी भी किस्मत बहुत अच्छी नहीं रही. इमारतों का निर्माण और मरम्मत करने में ही मार्शल कुशल था. लेकिन इतिहास उसे हमेशा एक "खोजकर्ता" के रूप में याद रखेगा, वह इंसान जिसने सोने का बुखार फैलाया.



महान कैलिफोर्निया गोल्ड रश 1848 से 1859 तक चला. मध्य कैलिफोर्निया की नदियों और पहाड़ियों से कुल 81 मिलियन डॉलर का सोना निकाला गया.

1860 के दशक तक, खदानें खाली हो गई थीं. महिलाएँ और बच्चे आए. घर और चर्च बनाए गए. पुरुष नए व्यवसाय चलाने में व्यस्त हो गए.



फिर एक दिन, किसी को नेवादा में कॉमस्टॉक लॉड में बहुत सारा "नीला सामान" मिला. "चांदी!" कोई चिल्लाया. "चांदी!"

समाप्त